सांध्य दैनिक 4PM

पतंगें हवा के विपरीत सबसे अधिक उंचाई छूती हैं। उसके साथ नहीं।
-विंस्टन चर्चिल

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 304 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 12 दिसम्बर, 2024

मंधाना बनीं एक साल में 4 शतक लगाने... 7 | बिहार में तेजस्वी यादव को बढ़ाना... 3 | भाजपा पर से लोगों का भरोसा... 2

राहुल गांधी के हाथरस दौरे से योगी सरकार के हाथ-पांव फूले!

» बंद कमरे में परिजनों से काफी देर तक की बात

» भाजपा का कांग्रेस पर हमला, बोली- लोगों को भड़का रहे कांग्रेस सांसद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हाथरस। एकबार फिर नेता प्रतिपक्ष यूपी के दौरे पर पहुंचे। उनके यहां आने की खबर से ही बीजेपी की योगी सरकार के हाथ-पांव फूल गए। सरकार ने पूरे जिले की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी। दरअसल रायबरेली के सांसद व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले के दौरे पर रहे। राहुल गांधी ने वहां दुष्कर्म पीड़िता के परिवार से गांव बुलगड़ी में मुलाकात की। राहुल गांधी ने दुष्कर्म पीड़िता के परिवार से बंद कमरे में काफी देर तक बातचीत की। इसके बाद वह हाथरस से निकल गए।

इससे पहले वह संभल का दौरा करने की कोशिश की थी पर उन्हें नोएडा बॉर्डर पर ही रोक दिया गया था। राहुल गांधी के दौरे को लेकर सियासत भी गरमा गई है। भाजपा ने उनके दौरे को गलत बताते हुए कहा है कि कांग्रेस लोगों को भड़काना चाहती है। एक जानकारी यह भी सामने आई है कि पीड़ित परिवार ने राहुल गांधी से एसडीएम की शिकायत की है। शिकायत के बाद राहुल गांधी ने एसडीएम को तलब किया, लेकिन एसडीएम नहीं आए। इसके बाद एसडीएम को फोन मिलाकर बात कराई गई। इसके बाद राहुल गांधी पीड़ित परिवार से मिलकर हाथरस से निकल गए। इस दौरान राहुल गांधी ने मीडिया से कोई बात नहीं की। जिस समय पीड़ित परिवार से राहुल गांधी मिले, उस दौरान किसी को अंदर नहीं जाने दिया गया। इससे पहले, राहुल के हाथरस दौरे पर यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने हमला बोला था। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी लोगों को भड़काना चाहते हैं।

दुष्कर्म पीड़िता के परिवार से मिले नेता प्रतिपक्ष

2020 में युवती की हुई थी हत्या

आपको बता दें कि हाथरस में कोतवाली चंदपा इलाके के गांव बुलगड़ी में 2020 में एक युवती की हत्या हुई थी। बहुचर्चित बिटिया कांड के तीन आरोपियों को कोर्ट बरी कर चुका है। अब अचानक राहुल गांधी के आने की सूचना के बाद अफसर गांव पहुंचे।

पीड़ित परिवार ने कहा- न घर मिला न नौकरी

सूत्रों के मुताबिक पीड़ित परिवार ने जुलाई में राहुल गांधी से संपर्क किया था और उन्हें बताया था कि घटना के बाद यूपी सरकार की ओर से जो नौकरी का वादा, घर का वादा वो पूरा नहीं हुआ। पीड़ित परिवार को सुरक्षा मिली हुई है उनका कहना है कि वे सुरक्षा की वजह से कैद हैं।

विपक्ष के नेता हताशा के शिकार हैं : ब्रजेश पाठक

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के आज हाथरस जाने पर उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा,राहुल गांधी, आपमें निराशा का भाव है, आप हताशा के शिकार हैं। आपको यह भी नहीं पता कि हाथरस मामले की जांच सीबीआई ने कर दी है। मामला कोर्ट में चल रहा है,आज उत्तर प्रदेश इंफ्रास्ट्रक्चर के मामले में, कानून व्यवस्था के मामले में नंबर 1 राज्य बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। पूरे देश में उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था की चर्चा होती है। आज हम कह सकते हैं कि उत्तर प्रदेश में औद्योगिक क्रांति आ रही है। जबकि आप उत्तर प्रदेश को अराजकता की आग में, दंगों की आग में झोंकना चाहते हैं, लोगों को भड़काना चाहते हैं। कृपया ऐसा न करें, मेरा आपसे अनुरोध है कि उत्तर प्रदेश पूरे देश में नंबर 1 राज्य बनने की तैयारी कर रहा है।

नहीं माने नेता जी! संसद में फिर हंगामा

» भाजपा सांसद ने कांग्रेस से पूछे 10 सवाल

» हंगामे से स्थगित हुई लोस व रास की कार्यवाही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र के चौदहवें दिन भी दोनों सदनों में जोरदार हंगामा हुआ। हंगामे के चलते राज्यसभा की कार्यवाही दोपहर दो बजे तक स्थगित कर दी गई है। लोकसभा में अडानी मुद्दा और कांग्रेस-सोरोस के कथित लिंक के आरोपों के अलावा ज्योतिरादित्य सिंधिया पर की गई विवादित टिप्पणी को लेकर हंगामा हुआ तो राज्यसभा में सोरोस मुद्दे के अलावा जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का मामला गूंज सकता है।

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कांग्रेस और राहुल गांधी से 10 सवाल पूछे, जिनमें उन्होंने पूछा कि कश्मीर को अलग देश मानने वाले संगठन के साथ राहुल गांधी के क्या संबंध हैं। सोनिया गांधी और जॉर्ज सोरोस का क्या संबंध है। कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे। राहुल गांधी, सैम पित्रोदा और जॉर्ज सोरोस का क्या संबंध है। सोरोस और गांधी परिवार का संबंध क्या है।

टीएमसी सांसद की टिप्पणी पर हंगामा

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा, कल सदन में जो कुछ भी हुआ वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था और किसी भी सम्मानित सदस्य, खासकर महिलाओं पर कोई टिप्पणी नहीं की जानी चाहिए। यह सदन की गरिमा के अनुरूप नहीं है। मैं सम्मानित सदस्यों से अनुरोध करूंगा कि वे अपने भाषणों में किसी भी जाति, समाज, महिला, पुरुष आदि पर व्यक्तिगत टिप्पणी करने से बचें। कल्याण बनर्जी ने सदन में इसके लिए माफी भी मांगी है और मुझे लिखित में भी दिया है।

विपक्ष का विरोध प्रदर्शन गिरिराज भी सड़क पर उतरे

संसद परिसर में विपक्ष का अदाणी मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन भी किया। इस बीच केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने संसद भवन परिसर में कांग्रेस संसदीय समिति की अध्यक्ष सोनिया गांधी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा ने कांग्रेस पार्टी (नेतृत्व) के अमेरिकी अरबपति जॉर्ज सोरोस के बीच संबंध होने का गंभीर आरोप लगाया।

केजरीवाल के दांव में फंस गई बीजेपी!

» आप के ऑटो ड्राइवरों के पांच गारंटी के जवाब में भाजपा ने किया सात गारंटी का वादा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं आप ने सक्रियता बढ़ा दी है। उसने जहां सीटों पर उम्मीदवार उतारने के साथ-साथ दौरे शुरू कर दिए हैं। इतना ही नहीं पिछले चुनावों में सत्ता की चाबी सौंपने वाले ऑटो ड्राइवरों व महिलाओं को गारंटियां भी देने के वादे शुरू कर दिए हैं। आप संयोजक अरविंद केजरीवाल के दावं से बीजेपी परेशान हो गई है।

अब उसने भी आनन फानन में आप के पांच गारंटियों के जवाब में ऑटो ड्राइवरों को सात गारंटिया देने का वादा कर दिया है। चुनावों के परिणाम ही बताएंगे कि किसकी गारंटिया जनता को भातीं हैं।

महिलाओं को हर महीने 1000 रुपये देगी दिल्ली सरकार

महिला सम्मान योजना को दिल्ली कैबिनेट से मंजूरी मिल गई है। इस योजना के तहत महिलाओं को 1000 रुपये की वित्तीय सहायता दी जाएगी। आप संयोजक अरविंद केजरीवाल आज दोपहर 1 बजे महिला सम्मान योजना की घोषणा करेंगे। आज सुबह हुई दिल्ली सरकार की कैबिनेट बैठक में इस योजना को मंजूरी दे दी गई है। इससे पहले वित्त विभाग ने इस योजना पर आपत्ति जताई थी।

भाजपा से लोगों का भरोसा उठ रहा है : अखिलेश यादव

» बोले- संवैधानिक संस्थाओं को बर्बाद किया जा रहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एक बार फिर भाजपा पर निशाना साधा है। एक बयान जारी करते हुए उनकी तरफ से कहा गया कि भाजपा सरकार ने सभी संवैधानिक संस्थाओं को बर्बाद कर दिया है।

भाजपा ने संवैधानिक संस्थाओं का राजनीतिकरण कर दिया है, जिसके कारण उन पर से लोगों का भरोसा खत्म हो रहा है। सरकार के दबाव में संवैधानिक पदों पर बैठे लोग भाजपा के कार्यकर्ता की तरह काम कर रहे हैं। संवैधानिक संस्थाएं देश की जनता के बजाय भाजपा के लिए काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि देश में लोकतंत्र खत्म हो रहा है और संविधान के अनुसार काम नहीं हो रहा है। भाजपा की सत्ता की भूख ने पूरे देश को तबाह कर दिया है। भाजपा सरकार की कार्यप्रणाली और रवैया तानाशाही पूर्ण है। अपने बयान में अखिलेश ने कहा कि विपक्ष, आमजन, नौजवान, किसान, व्यापारी, कर्मचारी किसी को भी अब भाजपा सरकार पर कोई भरोसा नहीं

रहा है। भाजपा सरकार बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और किसान की समस्याओं से ध्यान हटाने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपना रही है। भाजपा सरकार को आम जनता की कोई परवाह नहीं है क्योंकि वह वोट से नहीं खोट से चुनाव जीत कर सरकार बनाती है। सच तो यह है कि भाजपा ने झूठ के सहारे ही अपनी सरकार चलाई है। किसानों को दोगुनी आय का भरोसा दिया गया लेकिन मिला कुछ नहीं। एमएसपी की अनिवार्यता के लिए आंदोलन चला, सात सौ से ज्यादा किसान शहीद हो गए। आज तक भाजपा ने एमएसपी पर कोई निर्णय नहीं लिया। किसानों की समस्याओं पर कमेटी बनाने का प्रस्ताव फाइलों में कैद हो गया। प्रदेश में बिजली के निजीकरण के बहाने आरक्षण समाप्त करने और आउट सोर्स से भर्ती की साजिशें चल रही हैं।

सरकार ने नौजवानों को सपने में उलझाया

नौकरियों का मुद्दा उठाते हुए अखिलेश ने कहा कि नौजवानों को बड़े-बड़े सपने दिखाए गए और दो करोड़ नौकरियां प्रतिवर्ष देने का वादा किया गया था। 10 साल में 10 लाख नौकरियां भी नहीं दी गई। रोटी-रोजगार मिलना तो दूर कई औद्योगिक संस्थानों में कर्मचारियों की छंटनी हो गई। नौकरियों के लिए होने वाली भर्ती परीक्षाएं पेपर लीक की शिकार हो गयी। महिलाओं की सुरक्षा पर केवल हवाई वादे किए जाते हैं। देश में महिलाओं-बच्चियों के साथ दुष्कर्म के मामले बढ़ते जा रहे हैं। अखिलेश ने कहा कि कानून व्यवस्था के हालात बहुत खराब हैं। भाजपा ने पूरे देश की अर्थव्यवस्था को बर्बाद करके रख दिया है। उत्तर प्रदेश की जनता और पीडीए अब भाजपा की एकाधिकारी मानसिकता और उसकी मनमानी ज्यादा बर्दाश्त नहीं कर सकती। वह सन् 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से बेदखल करने को तैयार है।

मेरा समर्थन करने के लिए सभी का आभार : ममता

» लालू- शरद के साथ से गदगद हुईं टीएमसी प्रमुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकता। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (सपा) प्रमुख शरद पवार और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री लालू प्रसाद यादव सहित कई विपक्षी नेताओं ने ममता का समर्थन किया है। पवार ने ममता बनर्जी के प्रति अपना समर्थन व्यक्त करते हुए कहा कि हां, निश्चित रूप से वह गठबंधन का नेतृत्व करने में सक्षम हैं।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने नेतृत्व परिवर्तन की चर्चा के बीच विपक्षी नेताओं को इंडिया ब्लॉक के नेता के रूप में उनका समर्थन करने के बाद धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि मैं उन सभी नेताओं की आभारी हूं जिन्होंने मुझे सम्मानित किया। मैं उन सभी के अच्छे स्वास्थ्य की कामना करती हूं। वे अच्छे हों, उनकी पार्टी अच्छी हो। भारत अच्छा हो। ममता ने पूर्व मेदिनीपुर में एक सभा को संबोधित करते हुए एकता और कल्याण पर जोर देते हुए यह टिप्पणी की। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (सपा) प्रमुख शरद पवार और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री लालू प्रसाद यादव सहित कई विपक्षी नेताओं ने ममता का समर्थन किया है। पवार ने ममता बनर्जी के प्रति अपना समर्थन व्यक्त करते हुए कहा कि

हां, निश्चित रूप से वह गठबंधन का नेतृत्व करने में सक्षम हैं। वह इस देश की एक प्रमुख नेता हैं, उनमें वह क्षमता है। पवान ने आगे कहा कि उन्होंने जिन निर्वाचित नेताओं को संसद में भेजा, वे जिम्मेदार, कर्तव्यनिष्ठ और जागरूक लोग हैं। इसलिए उन्हें ऐसा कहने का अधिकार है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे फिलहाल 2024 लोकसभा चुनाव से पहले बने विपक्षी समूह के अध्यक्ष हैं। वाईएसआर कांग्रेस पार्टी, जो वर्तमान में इंडिया ब्लॉक का हिस्सा नहीं है, ने बनर्जी के लिए अपना समर्थन दोहराया, और उन्हें ब्लॉक का नेतृत्व करने के लिए सबसे सक्षम नेता कहा। इंडिया ब्लॉक के नेता के रूप में तृणमूल कांग्रेस प्रमुख का समर्थन करते हुए, तृणमूल कांग्रेस नेता सुष्मिता देव ने कहा कि सुशासन पर उनके निरंतर रिकॉर्ड और चुनावी रूप से भाजपा को व्यापक रूप से हराने की क्षमता ने देश भर के कई नेताओं को उन्हें एक बड़ी नेतृत्वकारी भूमिका में देखने के लिए प्रेरित किया है।

डबल इंजन की सरकार मप्र में करा रही सट्टेबाजी : दिग्विजय सिंह

» बोले- ईडी की जांच कराई जाए जो खुलेंगे रहस्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कटनी। मध्यप्रदेश में एक बार फिर कटनी हवाला कांड को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। इसकी वजह पूर्व मुख्यमंत्री

दिग्विजय सिंह की एक्स में हुई पोस्ट है, जिसमें उन्होंने कटनी शहर को हवाला और ऑनलाइन सट्टा का बड़ा केंद्र बताया है और इसका जिम्मेदार बीजेपी की डबल इंजन की सरकार को बताया है।

कटनी जिले का वो हवाला कांड जिसने पूरे प्रदेश की राजनीति में हलचल मचाकर रख दिया था। अब उसका प्रकरण जबलपुर की ईडी स्पेशल कोर्ट में चलेगा। दरअसल, साल 2016-17 में समाने आया पांच हजार करोड़ का हवाला कांड जिसकी शुरुआत गरीब वर्ग से आने वाले रजनीश तिवारी से हुई थी। शिकायतकर्ता ने बताया था कि उसके नाम से कोई फर्म चलाकर करोड़ों की लेन-देने कर रहा है, उसका नोटिस इनकम टैक्स से उसे सौंपा है। मामले की जब जांच हुई तो हवाला के कई पन्ने खुलने लगे, जो बढ़ते-बढ़ते पांच हजार करोड़ के करीब पहुंच गया था। तत्कालीन एसपी गौरव तिवारी ने कई FIR दर्ज किए और आठ लोगों का प्रकरण बनाकर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया था। करीब सात साल चले हवाला मामले के अभियोजन अधिकारी रजनीश कुमार सोनी ने बताया कि हवाला मामले में विवेचक साक्षी शेष थे। तभी इस प्रकरण को दिल्ली प्रवर्तन निदेशालय के द्वारा जिला न्यायालय के समक्ष पत्र लिखकर पीएमएलए स्पेशल कोर्ट में चलाने की बात रखी थी। चूंकि मामला मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा था और इसके दो केस पहले से जबलपुर के ईडी स्पेशल कोर्ट में चल रहे थे तो जिला न्यायालय के सेशन जज माननीय जितेंद्र कुमार शर्मा ने तीन दिसंबर को केस ट्रांसफर करते हुए पीएमएलए कोर्ट में ट्रांसफर किया है।

बामुलाहिज़ा

कार्टून : हसन जैदी

'जम्मू की पहचान को बचाने की पूरी कोशिश'

» उमर अब्दुल्ला बोले- सीएम दरबार मूव की वापसी होगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू -कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू की विशिष्टता को कम नहीं होने दिया जाएगा और उनकी सरकार दरबार मूव को फिर से बहाल करेगी। दरबार मूव, एक प्राचीन परंपरा थी जिसके तहत प्रशासन के गर्मी के मौसम में श्रीनगर और सर्दी के मौसम में जम्मू में छह महीने-छह महीने काम करते थे।

यह प्रथा लगभग 150 साल पहले डोगरा शासकों द्वारा शुरू की गई थी, लेकिन जून 2021 में लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा ने इसे बंद कर दिया था, यह कहते हुए कि सरकार अब ई-ऑफिस में पूरी तरह से परिवर्तित हो चुकी है, जिससे हर साल 200 करोड़ रुपये की बचत हो सकती है। हालांकि, इस निर्णय पर जम्मू की व्यापारिक समुदाय और राजनेताओं ने कड़ी आलोचना की थी, जिन्होंने इसे दोनों क्षेत्रों के बीच एक अहम संबंध बताया। उमर अब्दुल्ला ने कहा दरबार मूव एक ऐसा मुद्दा है जिसे मैं नहीं समझ पा रहा कि चुनावी अभियान के दौरान इसे क्यों नहीं उठाया गया। यह मुद्दा चुनाव परिणामों के बाद ही प्रमुख हुआ जबकि हमने इसे अपने घोषणापत्र और बैठकों में उल्लेखित किया था। हम आपको आश्वस्त करते हैं कि दरबार मूव को फिर से बहाल किया जाएगा। जम्मू का अपना महत्व है और हम इसकी विशिष्टता को कम नहीं होने देंगे। अब्दुल्ला ने कहा कि सरकार अपने निर्णय खुद लेती है और उसका प्रभाव जनता पर पड़ता है। कभी-कभी यह मुश्किल होता है कि सही प्रतिक्रिया प्राप्त हो, क्योंकि सरकारी तंत्र में अधिकांश लोग आपको सिर्फ प्रशंसा करते हैं। इसलिए जब ऐसी बैठकें होती हैं, तो लोग बिना किसी एजेंडे के आते हैं और अपनी प्रतिक्रिया और सुझाव देते हैं, जो फायदेमंद साबित होते हैं।

इंडिया गठबंधन की बैठक में हो नेतृत्व पर फैसला

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इंडिया ब्लॉक के नेतृत्व का दावा कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि इस पर चर्चा होगी। इंडिया गुट के नेतृत्व में बदलाव का सवाल ही नहीं उठता, क्योंकि लोकसभा चुनाव के बाद इस गुट की कोई बैठक नहीं हुई है। उनकी यह टिप्पणी महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की हार के बाद कुछ तृणमूल कांग्रेस नेताओं द्वारा इंडिया ब्लॉक के नेतृत्व में बदलाव की वकालत करने के आलोक में आई है।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया हैं लिंगायत विरोधी : संत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक में पंचमशाली पीठ के संत ने बेलगावी में पंचमशाली लिंगायत प्रदर्शनकारियों पर हुए लाठीचार्ज की निंदा की और राज्यव्यापी सड़क नाकाबंदी का आह्वान किया। बसव जयमृत्युंजय स्वामीजी ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर लिंगायत विरोधी होने का आरोप लगाते हुए आरोप लगाया कि पुलिस कार्रवाई पूर्व नियोजित थी और उच्चतम स्तर पर आदेश दिया गया था।

» बीजेपी ने लाठीचार्ज पर की माफी की मांग

तनाव तब बढ़ गया जब पंचमशाली लिंगायत समुदाय के सदस्यों ने 2ए श्रेणी के तहत आरक्षण की मांग को लेकर सुवर्णा विधान सौध के पास विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड्स को पार कर लिया और उस परिसर में घुसने का प्रयास किया जहां विधानमंडल का शीतकालीन सत्र चल रहा था। जवाब में पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हल्का लाठीचार्ज किया, जिसमें 10 से ज्यादा लोग घायल हो गए।

बिहार में तेजस्वी यादव को बढ़ाना होगा सियासी तेज!

सम्राट, चिराग व पीके राज्य में दिखा रहे तेजी

सीएम नीतीश की रणनीति को भेदना जरूरी

- बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले वहां का सियासी माहौल गरमाया
- छिटक रहा है तेजस्वी का जनाधार!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले वहां का सियासी माहौल नेताओं के कार्यकलापों से गरमाने लगा है। जहां मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के महिलाओं को जोड़ने के लिए शुरू हो रही यात्रा को लेकर शोर मचा हुआ है वहीं उनकी इस यात्रा पर राजद सुप्रीमो लालू यादव व बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने निशाना साधा है। उधर इससे पहले प्रशांत किशोर ने भी जनसुराज यात्रा के जरिये पूरे राज्य को मथा था। जहां पीके सक्रिय हुए तो वहीं लोजपा राम बिलास के नेता चिराग पासवान जबके केंद्र की एनडीए सरकार में मंत्री बने है वह भी बिहार में बार-बार दौरे करके जनता में अपनी पैठ और मजबूत करने की कोशिश में जुटें हैं। इन सबके बीच कई युवा नेताओं की सक्रियता के बाद आरजेडी नेता तेजस्वी यादव पूरी तरह से सक्रिय दिखाई दे रहे हैं। हाल ही में अपनी शेखपुरा यात्रा के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय लोक मोर्चा के नेता देवेंद्र कुशवाहा से मुलाकात कर सियासी पारा हाई कर दिया है। ऐसी चर्चा है कि बिहार की प्रमुख विपक्षी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल के नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के लुढ़कते जनाधार से सेक्यूलर सियासतदान परेशान हैं। उनकी चिंता है कि भाजपा ने बिहार के युवा नेता और मौजूदा उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर दांव क्या लगाया, तेजस्वी यादव जितनी तेजी से उभरे थे, उससे भी तेज गति से हाशिए पर जाते प्रतीत हो रहे हैं।

तेजस्वी के घटते प्रभाव को कोई कांग्रेस नेता व लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और भाकपा माले की सियासी शोहबत का साइड इफेक्ट्स करार दे रहा है तो कोई इसे यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा जैसे नेताओं से जारी सियासी लुकाछिपी का असर करार दे रहा है। जबकि राजनीतिक प्रेक्षकों का मानना है कि लालू प्रसाद की तरह ही तेजस्वी यादव की मुस्लिम परस्त वाली राजनीतिक छवि एक ओर जहां मुस्लिम-यादव (एमवाई) समीकरण को उनसे जोड़े हुए है, जबकि इसकी प्रतिक्रिया में वो सवर्ण वोट भी उनसे छिटक गया, जो कभी मुख्यमंत्री और जदयू नेता नीतीश कुमार को राजनीतिक सबक सिखाने के लिए राजद और तेजस्वी यादव से जुड़ने की कोशिश किया था। लेकिन जैसे ही तेजस्वी यादव, नीतीश कुमार के आशीर्वाद से एक नहीं बल्कि दो-दो बार बिहार के उपमुख्यमंत्री बने, तो वो युवा जनाधार भी उनसे छिटक गया इस बात का खुलासा तब हुआ जब लोकसभा चुनाव 2024 और बिहार विधानसभा उपचुनाव 2024 में इंडिया गठबंधन का बिहार में सूबाई इंजन बने रहने के बावजूद राजद प्रमुख तेजस्वी यादव अपनी वह राजनीतिक सफलता नहीं दोहरा पाए, जैसा कि उन्होंने बिहार विधानसभा चुनाव 2020 में या उससे पहले प्रदर्शित किया था। बता दें कि बिहार की 40 लोकसभा सीटों में से महज 9 सीट ही इंडिया गठबंधन जीत सकी, जिसमें राजद को 4, कांग्रेस को तीन और भाकपा माले को दो सीटें मिलीं थीं। यह लोकसभा चुनाव 2019 के मुकाबले राजद का बेहतर परफॉर्मेंस है, लेकिन बिहार विधानसभा चुनाव 2020 के मुकाबले काफी निराशाजनक, क्योंकि तब राजद राज्य की सबसे ब?ी राजनीतिक पार्टी के तौर पर उभरा था।

दूसरी कतार के नेता बनाने होंगे

इसलिए अब यह कहा जाने लगा है कि भाजपा के सम्राट चौधरी दांव पर तेजस्वी यादव चारों खाने चित हो गए हैं। जहां लोकसभा चुनाव 2024 में यूपी वाले इंडिया गठबंधन यानी समाजवादी पार्टी-कांग्रेस गठजोड़ की हासिल उपलब्धि की तरह को बिहार में कुछ खास नहीं कर पाए, वहीं बिहार विधानसभा उपचुनाव 2024 में उससे भी बुरा सियासी प्रदर्शन किया, जिससे अब उनके नेतृत्व पर ही सवाल उठने लगे हैं। कुछ लोगों का कहना है कि लालू प्रसाद यादव जैसे रघुवंश प्रसाद सिंह या जगतानंद सिंह जैसे कद्दावर नेताओं की दूसरी कतार की तरह राजद में अपने मुकाबले कोई दूसरी कतार बनने ही नहीं दिया, जिसका अब उन्हें राजनीतिक नुकसान उठाना पड़रहा है। इतना ही नहीं, लालू प्रसाद जैसे भाजपा में सुशील मोदी जैसा बैकडोर शुभचिंतक रखते थे, कोई वैसा दूसरा हमउम्र शुभचिंतक पैदा करने में भी तेजस्वी यादव सर्वथा विफल रहे हैं!

अखिलेश की तरह नहीं बन पा रही तेजस्वी की इमेज

बिहार विधानसभा उपचुनाव 2024 में 4 सीटों में से एक भी सीट राजद या उसके इंडिया गठबंधन को नहीं मिली। जबकि पड़ोसी राज्य यूपी में इंडिया गठबंधन की सूबाई इंजन सपा ने 80 में से 43 (सपा- 37 और कांग्रेस- 6) सीटें जीतकर बीजेपी को 50 प्रतिशत से अधिक सीटों पर जबरदस्त मात दी थी और यूपी विधानसभा उपचुनाव 2024 में भी 9 में से 2 सीटें जीतने में कामयाब रही। इससे तेजस्वी यादव का बिहार में चिंतित होना स्वाभाविक है। क्योंकि अब इंडिया गठबंधन की हवा निकल चुकी है और उसमें कांग्रेस के नेतृत्व पर भी सवाल उठ रहे हैं। इसलिए बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के दौरान तेजस्वी यादव को अपनी सियासी साख बचाने के लिए न केवल कड़ी राजनीतिक मशक्कत करनी पड़ेगी, बल्कि सियासी सूझबूझ भी नए सिरे से दिखानी होगी, जिसके आसार बहुत कम हैं।

लालू के बयान से तेजस्वी यादव को हो सकता है बड़ा नुकसान?

राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने 2025 के विधानसभा चुनाव में 225 सीटें जीतने के सीएम नीतीश के दावे के सवाल पर कहा- वह पहले वो अपनी आंख सेंक लें, तब यह सब दावे करें। वह आंख सेंकने ही जा रहे हैं। लालू यादव ने जो कहा, उसपर नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाईटेड के साथ सहयोगी भारतीय जनता पार्टी ने भी उन्हें कसकर घेर लिया है। भाजपा ने उनकी दिमागी हालत पर सवाल उठाया है तो जदयू ने उनकी सोच को निकृष्ट बताया है।चार विधायकों के सांसद बनने से खाली हुई महागठबंधन की तीन और जनतांत्रिक गठबंधन की एक सीट के लिए पिछले दिनों बिहार विधानसभा उप चुनाव हुआ था। चाणक्य इंस्टीट्यूट ऑफ पॉलिटिकल राइट्स एंड रिसर्च के अध्यक्ष सुनील कुमार सिन्हा कहते हैं-इस उप चुनाव में स्थानीय मुद्दे होते, लेकिन पहली बार राजनीतिक दल के रूप में प्रत्याशी उतारने वाले प्रशांत किशोर ने

एनडीए को बैठे-बिठाए मुद्दा दे दिया। पीके ने इस उप चुनाव में जीत के बाद बिहार विधानसभा चुनाव जीतकर शराबबंदी खत्म करने का वादा किया। महात्मा गांधी की जयंती पर पीके के इस बयान को एनडीए ने उनसे ज्यादा प्रचारित किया। नतीजा यह रहा कि चारों विधानसभा सीटों पर महिला मतदाताओं ने खुलकर शराबबंदी के पक्ष में समर्थन दिया। चारों सीटें एनडीए के खाते में आ गईं। ऐसे में उनकी यात्रा पर जिस तरह से लालू प्रसाद ने आपत्तिजनक टिप्पणी की है, वह तेजस्वी यादव के लिए नुकसानदेह हीं तो आश्चर्य नहीं। दरअसल, जदयू-भाजपा का प्रचार तंत्र लालू प्रसाद के इस बयान के सामने आने के बाद जिस तरह से सक्रिय हुआ है, उसे देखकर यह समझना मुश्किल नहीं कि यह बात निकली है तो बहुत दूर तक जाएगी। खासकर, नीतीश की इस यात्रा के दौरान तो लालू प्रसाद की आपत्तिजनक टिप्पणी से महिलाओं को वाकिफ कराने के लिए पूरी ऊर्जा खपाई जाएगी।

सम्राट चौधरी से मिल रही तेजस्वी को टक्कर

कहना न होगा कि आज तेजस्वी यादव और सम्राट चौधरी महज व्यक्ति नहीं, बल्कि विचार बन चुके हैं। तेजस्वी यादव जहां सेक्यूलर जमात की तरफदारी कर रहे हैं, वहीं सम्राट चौधरी अपने धर्मनिरपेक्ष मिजाज के बावजूद प्रबल हिंदुत्व के समर्थकों की एकमात्र उम्मीद बनकर उभरे हैं और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह की तरह दबंगई पूर्वक अपनी बात रखते हैं। यही वजह है कि पहले उन्हें बीजेपी ने मंत्री बनाया, फिर प्रदेश अध्यक्ष बनने का मौका दिया और उसके बाद सीधे उपमुख्यमंत्री बना दिया। वहीं, सम्राट चौधरी के बढ़ते सियासी ग्राफ का सेंसेक्स इस बात का संकेत दे रहा है कि भविष्य में तीसरी पी?ी के भाजपा नेताओं से जब प्रदेश में ओबीसी मुख्यमंत्री या फिर देश में ओबीसी प्रधानमंत्री बनाने की बात छिड़ेगी तो सम्राट चौधरी के नामों को खारिज करना इसलिए भी कठिन हो जाएगा, क्योंकि पूर्वी भारत में वो एकमात्र

ऐसे भाजपा नेता हैं जिन्हें न केवल पीएम नरेंद्र मोदी और एचएम अमित शाह पसंद करते हैं, बल्कि यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस भी उनके सियासी अंदाज को तवज्जो देते हैं। बिहार की राजनीति के चाणक्य समझे जाने वाले नीतीश कुमार ने बिहार के अधिकांश रिकॉर्ड को ध्वस्त करते हुए जिस तरह से अपनी सूबाई बादशाहत बनाए हुए हैं, उसे भी यदि सम्राट चौधरी निकट भविष्य में विनम्रता पूर्वक तोड़ दें तो किसी को हैरत नहीं होगी। क्योंकि भले ही वह आरएसएस बैकग्राउंड से नहीं हैं, लेकिन संघ और भाजपा की एक-एक राजनीतिक कड़ी को बखूबी जोड़ते जा रहे हैं, ताकि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार जल्द ही बिहार में बन सके। उनके इस उद्देश्य की पूर्ति में केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय और भूपेंद्र यादव का सक्रिय सहयोग भी उन्हें मिल रहा है, ऐसा पार्टी सूत्र बताते हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

कांग्रेस को फिर करनी होगी पहल!

> इसमें कोई शक नही है कांग्रेस नेता राहुल गांधी कई सालों से मोदी सरकार को घेर रहें हैं। उसके साथ लाखों लोग जुड़े हैं। उन्होंने लोकसभा चुनाव में अच्छी लड़ाई लड़ी जिससे भाजपा 24 के आम चुनाव में बहुमत लाने से चूक गई साथ ही साथ विपक्षी गठंबधन भी मजबूत हुआ।

झारखंड व महाराष्ट्र के लिए चुनावों के नतीजे आने के बाद से इंडिया गठबंधन में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। कई सहयोगी दल कांग्रेस के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। बहुत से नेता राहुल गांधी की जगह किसी दूसरे नेता को अगुवा बनाने की बात कर रह हैं। उसमें सबसे जो नाम चर्चा में हैं वह पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी का है। हालांकि अभी इस तरह की चर्चा करना ठीक नहीं है। इसमें कोई शक नही है कांग्रेस नेता राहुल गांधी कई सालों से मोदी सरकार को घेर रहें हैं। उसके साथ लाखों लोग जुड़े हैं। उन्होंने लोकसभा चुनाव में अच्छी लड़ाई लड़ी जिससे भाजपा 24 के आम चुनाव में बहुमत लाने से चूक गई साथ ही साथ विपक्षी गठंबधन भी मजबूत हुआ। छह महीने बाद हरियाणा व महाराष्ट्र में हार के बाद इंडिया गठंबधन को घबराना नहीं चाहिए और सभी सहयोगियों को एक साथ बैठकर ऐसा रास्ता दिखाना चाहिए ताकि वह मजबूत रहें और सत्ता से सवाल पूछते रहें।

ऐसे में कांग्रेस चूकि सबसे बड़ी पार्टी है इसलिए उसे बड़ा दिल दिखाकर सभी को एक साथ बिठाकर सारे मतभेद भुलाना चाहिए। जहां महाराष्ट्र में विस चुनावों से पहले महायुति की सरकार थी जिसमें तीन दल एनसीपी अजित पवार गुट, शिवसेना शिंदे गुट व भाजपा शामिल थे। जबकि महाअगाड़ि जिसमें कांग्रेस, शिवसेना यूबीटी व एनसीपी शरद पवार गुट साथ में था। वहीं झारखंड में झामूमो-कांग्रेस की इंडिया गठबंधन की सरकार की कुर्सी पर काबिज थी जबकि भाजपा-एनडीए गठबंधन सत्ता पाने को बेकरार थी। हालांकि 24 विस चुनाव में महाराष्ट्र में इंडिया गठबंधन की महाविकास अघाड़ी को हराना पड़ा। गनीमत यह रही कि झारखंड में भाजपा को झटका लगा और झामूमो की ही सरकार वापस आई। कुल मिलाकर कांग्रेस के सहयोग से ही इन सहयोगी दलों ने सीटों के लाभ को उठाया है। अब एकबार फिर कांग्रेस को बहुत ही गंभीरता से लड़ना होगा क्योंकि हरियाणा में ऐसा ही लग रहा था कि सरकार बन जाएगी पर सहयोगियों के साथ मतभेद से वह जीती हुई बाजी हार गई। इसलिए कांग्रेस को फूंक-फूंक कर कदम उठाना होगा। इससे पहले भी राजनीतिक अस्तित्व को दिखाने और सामने वाले के मिटाने के खेल ने ही कांग्रेस को जमीन पर लाकर खड़ा कर दिया है। कांग्रेस के राज्य स्तरीय नेताओं को भी अपने स्वार्थ को परे रखकर चुनाव में लड़ने की तैयारी करनी चाहिए। इसबार फिर कांग्रेस के लीडरशीप को आगे आना होगा औ इस पर चर्चा करनी होगी कि इंडिया गठबंधन की कमान किसको मिले।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कमजोर होता मजबूती देने वाला 'फौलादी ढांचा'

संजय बारू

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे द्वारा खुद को गृह विभाग सौंपे जाने की मांग करने पर हैरानी नहीं होनी चाहिए। ठीक इसी तरह, इसमें भी कोई आश्चर्य नहीं कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस यह महत्वपूर्ण महकमा अपने पास रखना चाहते हैं। देश भर में, योगी आदित्यनाथ से लेकर पिनाराई विजयन और ममता बनर्जी से लेकर चंद्रबाबू नायडू तक, हरेक मुख्यमंत्री ने गृह विभाग अपने पास रखा है। आज राज्य और जिला स्तर के नेता तक को पता है कि प्रभावी राजनीतिक शक्ति दरअसल उसके हाथ में है जिसके अधीन कानून-व्यवस्था एवं खुफिया जानकारी जुटाने वाले विभाग होते हैं। एक समय था जब सरदार वल्लभभाई पटेल ने ब्रिटिश प्रधानमंत्री लॉयड जॉर्ज के इस कथन को दोहराया था कि भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) देश का 'स्टील फ्रेम' (मजबूती देने वाला फौलादी ढांचा) है।

लेकिन आज, देश भर में जिला स्तर पर भी, अधिकांश लोगों को मालूम है कि जिला कलेक्टर या मजिस्ट्रेट से अधिक शक्तिशाली पुलिस अधीक्षक है। केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय में एक अलग कामकाजी माहौल है, जैसा कि पूर्व गृह मंत्री पी. चिदम्बरम ने एक बार मुझे समझाया था, जब उनके सहयोगी और तत्कालीन केंद्रीय वित्त मंत्री प्रणब मुखर्जी ने राष्ट्रपति बनने का फैसला लिया, तो चिदंबरम ने नॉर्थ ब्लॉक के पूरबी विंग (गृह मंत्रालय) को छोड़कर पुन: पश्चिमी विंग (वित्त मंत्रालय) में जाने की इच्छा जताई। मैंने उनसे पूछा कि वह ऐसा क्यों करना चाहते हैं। आखिरकार, सरदार पटेल के दिनों से ही गृह विभाग को दूसरा सबसे अहम मंत्रालय माना जाता रहा है। वरिष्ठ भाजपा नेता लाल कृष्ण आडवाणी ने भी गृह मंत्रालय खुद को और वित्त मंत्री का कार्य यशवंत सिन्हा जैसे कनिष्ठ नेता को आवंटित करने को कहा। चिदम्बरम का जवाब तीखा और त्वरित था- 'किसी संकट की स्थिति के अलावा गृह मंत्रालय में करने-धरने को कुछ विशेष नहीं होता। जबकि वित्त मंत्री का काम चौबीसों घंटे चलता है। मैं अभी भी युवा हूं। मुझे किसी प्रकार के सुस्त महकमे की जरूरत नहीं है।'

लेकिन जो चिदम्बरम ने नहीं बताया, वह यह है कि गृह मंत्री की असली शक्ति प्रमुख जांच एजेंसियों पर नियंत्रण में निहित है। हालांकि, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार पद की सृजना होने के बाद, अधिकांश खुफिया एजेंसियों के प्रमुख सीधे राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार

को और उसके माध्यम से प्रधानमंत्री को रिपोर्ट कर रहे हैं। दूसरी ओर, वित्त मंत्री के अधीन कुछ खुफिया एजेंसियां हैं, जिनमें सबसे महत्वपूर्ण प्रवर्तन निदेशालय है। आज, इनमें से कई एजेंसियां, जिनमें बाहरी भेदियों से निपटने वाली एजेंसियां भी शामिल हैं, समय-समय पर केंद्रीय गृह मंत्री को रिपोर्ट करती हैं, जिससे यह पद शक्तिशाली हो गया है। राज्य स्तर पर, गृह मंत्रालय का नियंत्रण केवल कानून-व्यवस्था का प्रबंधन करने और खुफिया जानकारी हासिल करने तक ही सीमित नहीं है। सभी सिविल सेवाओं में पुलिस सबसे शक्तिशाली अंग बन गई है। भले ही केंद्र सरकार से जुड़े महकमों में नियुक्त आईएएस अधिकारियों का सामाजिक रुतबा अधिक माना जाता है, आर्थिक मंत्रालयों की अध्यक्षता करने वालों के अलावा दो शीर्ष पद- कैबिनेट सचिव और प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव की कुर्सी पर अभी भी उनका वर्चस्व है (हालांकि, पीएन हक्सर और ब्रजेश मिश्रा नियम के अपवाद थे) -लेकिन राज्यों की राजधानियों में उनका रोब-दाब प्रमुख पुलिस से नीचे है। अपने तौर पर, भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) ने न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार का कार्यालय पाया है बल्कि कई जांच एजेंसियों पर अपना नियंत्रण भी बढ़ाया है। साथ ही नौकरशाही प्रणाली के भीतर काफी शक्ति प्राप्त कर ली है। नौकरशाह ढांचे में, राज्य और केंद्रीय स्तर पर, आईएएस अधिकारियों की तुलना में आईपीएस अधिकारी कहीं अधिक शक्तिशाली बन गए हैं। आईएएस की तुलना में आईपीएस अधिकारी अधिक संख्या में राज्यपाल बने हैं। नई दिल्ली के सत्ता तंत्र में, यह सुनिश्चित करते हुए कि अन्य मंत्रालयों के तहत आती जांच एजेंसियों के प्रमुख भी केंद्रीय गृह मंत्री को रिपोर्ट करेंगे, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने अपने हाथ में काफी शक्ति समेट ली है।

राज्य और केंद्र, दोनों स्तरों पर, सिविल सेवाओं के अन्य सदस्यों की सापेक्षता में पुलिस ने काफी शक्ति पा ली है। यह 'उपलब्धि' उन्होंने राजनीतिक आकाओं के मनमाफिक औजार बनकर हासिल की है। तीस साल पहले, एनएन वोहरा, एक प्रतिष्ठित सिविल नौकरशाह, जिन्होंने केंद्रीय गृह सचिव, रक्षा सचिव और जम्मू और कश्मीर के राज्यपाल जैसे प्रतिष्ठित पदों पर कार्य किया, उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव द्वारा बनाई समिति के तहत एक रिपोर्ट दी। रिपोर्ट 'पुलिस, राजनेता, अपराध सिंडिकेट और माफिया के बीच सांठ-गांठ' की जांच पर आधारित थी।

'आयुष्मान' पर केंद्र व दिल्ली सरकार में घमासान

ज्ञानेन्द्र रावत

आयुष्मान योजना को लेकर केन्द्र और दिल्ली की आप सरकार के बीच विवाद स्पष्ट रूप से दिखता है। हालांकि यह विवाद मुख्य रूप से स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ा है, परन्तु यह केवल इस योजना तक सीमित नहीं है। दिल्ली सरकार और केन्द्र सरकार के बीच पिछले एक दशक में कई अन्य जनहितकारी योजनाओं पर भी मतभेद सामने आए हैं। दोनों सरकारों के बीच यह टकराव राजनीतिक और प्रशासनिक दृष्टिकोण से बढ़ता ही जा रहा है, जिससे जनता को योजनाओं का लाभ उठाने में कई बार असमंजस का सामना करना पड़ता है। आम आदमी पार्टी सरकार पर आरोप है कि वह आयुष्मान योजना को लागू नहीं कर रही, जिससे दिल्ली के लोग स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित हो रहे हैं। हाल ही में दिल्ली हाई कोर्ट ने भाजपा सांसदों द्वारा दायर जनहित याचिका पर संज्ञान लेते हुए दिल्ली सरकार की कड़ी आलोचना की।

कैसी विडम्बना है कि सरकार जन कल्याण के हित को नजरंदाज कर राजनीतिक विचारधाराओं के टकराव का रास्ता अख्तियार कर रही है। पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने खुद विधानसभा में घोषणा की थी कि वे आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री आरोग्य योजना को खुद लागू करेंगे। लेकिन आज तक उसे लागू नहीं किया गया। इसके पीछे आप की राजनीतिक जिद है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने दिल्ली सरकार पर आरोप लगाया कि वह जानबूझकर 6.5 लाख से अधिक पात्र परिवारों और 70 वर्ष से ऊपर के नागरिकों को केंद्र की आयुष्मान योजना से वंचित कर रही है। इसके विपरीत, दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि उनकी सरकार पहले से ही दिल्लीवासियों को मुफ्त इलाज दे रही है और स्वास्थ्य सुविधाएं उनकी प्राथमिकता हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आयुष्मान योजना लागू करने में कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन वे दिल्ली सरकार की मौजूदा योजनाओं को बंद नहीं करना चाहते, क्योंकि दोनों योजनाओं में कुछ विरोधाभास हैं।

आयुष्मान योजना में कुछ शर्तें और श्रेणियां हैं, जिनके तहत यदि किसी परिवार के पास फ्रिज, दोपहिया वाहन या पक्का मकान हो, तो उसे इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा। इसके अलावा, आयुष्मान योजना में एक परिवार के लिए प्रति वर्ष पांच लाख रुपये तक इलाज की सीमा तय की गई है। यदि एक परिवार में दो लोग बीमार होते हैं, तो अतिरिक्त खर्च उन्हें अपनी जेब से करना पड़ेगा। उदाहरण के लिए, यदि इलाज का खर्च 10 लाख रुपये है, तो पांच लाख रुपये का अतिरिक्त भुगतान परिवार को करना होगा। इसके विपरीत, दिल्ली सरकार की स्वास्थ्य योजना में कोई खर्च सीमा नहीं है। दिल्ली सरकार आयुष्मान योजना के साथ अपनी स्वास्थ्य सुविधाओं को लागू करने पर काम कर रही है, ताकि दोनों योजनाओं के लाभ एक साथ नागरिकों को मिल सकें और इसमें कोई व्यवधान न आये। आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना का लाभ लेने के लिए कुछ विशेष मानदंडों की पूर्ति जरूरी है, जबकि दिल्ली सरकार की स्वास्थ्य योजना में सरकारी अस्पतालों में गरीब से लेकर अमीर तक, सभी को मुफ्त इलाज की सुविधा मिलती है, बिना किसी खर्च सीमा के। अगर दिल्ली सरकार को आयुष्मान योजना लागू करने की वास्तविक इच्छा होती, तो यह योजना पहले ही लागू हो चुकी होती। दिल्लीवासियों को चाहे केंद्र की योजना हो या राज्य की, दोनों से लाभ मिल सकता था। मुख्यमंत्री का यह कहना कि वे आयुष्मान योजना लागू करना चाहते हैं, इसे समझना मुश्किल है, क्योंकि यह लोकहितकारी नीति के खिलाफ लगता है।

गौरतलब है कि अक्टूबर, 2024 तक केन्द्र शासित प्रदेश सहित देश के अन्य 36 राज्यों में से 33 में इस योजना को लागू किया जा चुका है। दिल्ली में इस योजना को लागू करने में आप पार्टी ना-नुकर करती रही है। इसके पीछे उसके कुछ तर्क हैं। जिसके परिणामस्वरूप करीब 5 लाख लक्षित लाभार्थी इस स्वास्थ्य कवर से वंचित हैं जो उन्हें पंजीकृत सार्वजनिक और निजी अस्पतालों के विशाल नेटवर्क में देखभाल में होने वाले भारी खर्चे से बचायेगा। दरअसल, इसमें सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि आयुष्मान योजना के संचालन में 60-40 का अनुपात है। यानी इसमें 60 फीसदी हिस्सा केन्द्र सरकार और 40 फीसदी राज्य सरकार वहन करेगी। दिल्ली में यदि यह योजना लागू होती है तो केन्द्र 47 करोड़ दिल्ली को देता। जबकि दिल्ली सरकार दिल्ली के लोगों को मुफ्त इलाज की सुविधा पहले से ही प्रदान कर रही है। उस दशा में वह आयुष्मान योजना के तहत 40 फीसदी अंशदान क्यों दे।

यह भी जान लें कि आयुष्मान योजना के तहत कुछ विशिष्ट बीमारियों का इलाज किया जाता है। इसके विपरीत, दिल्ली सरकार की स्वास्थ्य योजना में किसी भी प्रकार की बीमारी के इलाज पर कोई विशेष बाध्यता नहीं है। सच तो यह है कि आयुष्मान योजना का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर तबके के लोगों यानी बीपीएल धारकों को स्वास्थ्य बीमा मुहैया कराना है। भाजपा सांसदों की मानें तो दिल्ली में इस योजना को लागू न करना उनके मूल अधिकारों का उल्लंघन है जबकि दिल्ली सरकार का दावा है कि दिल्लीवासियों के लिए आयुष्मान योजना किसी भी दृष्टि से लाभदायक नहीं है। बहरहाल, यह मसला दोनों दलों के लिए प्रतिष्ठा का मुद्दा बन गया है। इसे यदि यूं कहें कि यह मुद्दा पूरी तरह राजनीति प्रेरित है। इसमें इतना जरूर है कि यदि किसी योजना में जनता का भला होता है तो उसमें बाधक नहीं बनना चाहिए। जनता का हित किसी भी तरह, कैसे भी हो और वह किसी भी योजना के तहत हो, सरकारों को उसे स्वीकार करना चाहिए। उसमें बाधक बनना किसी भी दृष्टि से न्यायोचित नहीं कहा जा सकता।

सर्दियों में इन जगहों की करें सैर

नवंबर के महीने से ठंड शुरू हो जाती है। कुछ जगहों पर तो ऊनी कपड़े और कंबल निकालने की जरूरत भी महसूस होने लगती है। इस तरह के मौसम में सफर का आनंद लिया जा सकता है। लगातार तेज गर्मी और मानसून के बाद आई हल्की ठंडक में घूमने जाया जा सकता है। खास बात ये है कि इस माह घूमने के लिए सही मौसम के साथ ही मौका भी मिल जाता है, क्योंकि त्योहारी छुट्टियों के अलावा लॉन्ग वीकेंड भी हैं। हालांकि सफर के हिसाब से बजट होना भी जरूरी है। त्योहारों के खर्चों से पैसा बचाकर सफर पर व्यय कर सकते हैं। इस मौसम में कुछ ऐसी जगहों की यात्रा की जा सकती हैं, जहां घूमने के लिए कम पैसों की जरूरत होती है। इन जगहों पर घूमने का इस मौसम में बड़ा ही आनंद आयेगा।

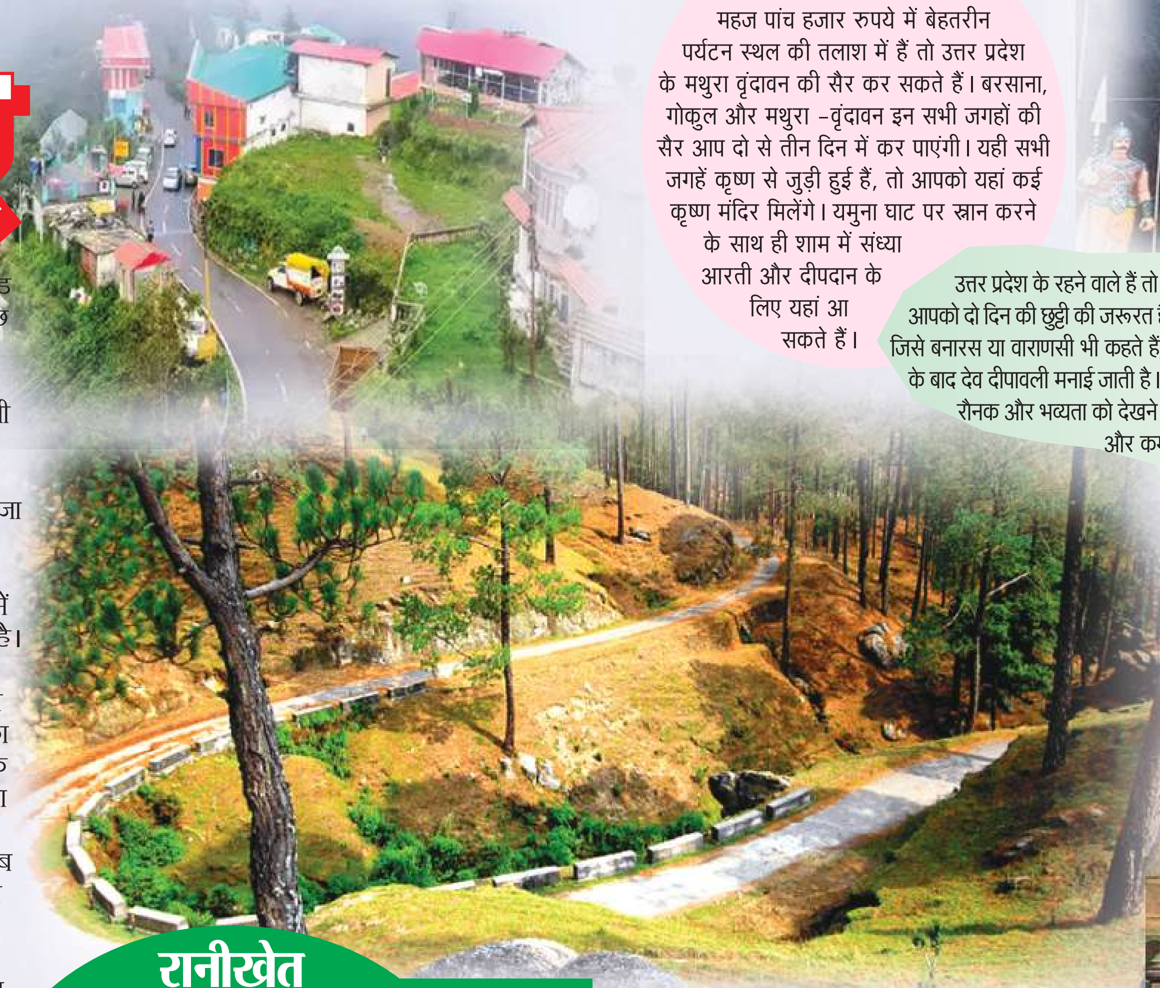

मसूरी

सस्ती और खूबसूरत जगहों की तलाश में हैं तो उत्तराखंड के हिल स्टेशनों की सैर पर जा सकते हैं। यहां कई ऐसे विकल्प हैं जो 5000 रुपये के अंदर आ जाएंगे। आप मसूरी घूमने जा सकते हैं। देहरादून रेलवे स्टेशन या बस अड्डे से कुछ ही घंटों के रास्ते पर मसूरी आता है, जहां 500 से हजार रुपये के अंदर कमरा मिल जाएगा। कैम्पटी फॉल, बुद्धा टैंपल, गन हिल प्वाइंट, धनौल्टी, मालरोड घूमने जा सकते हैं। यहां ठहरने और पर्यटन का खर्च समेत पूरी सैर 5000 रुपये के अंदर आ जाएगी।

मथुरा

महज पांच हजार रुपये में बेहतरीन पर्यटन स्थल की तलाश में हैं तो उत्तर प्रदेश के मथुरा वृंदावन की सैर कर सकते हैं। बरसाना, गोकुल और मथुरा -वृंदावन इन सभी जगहों की सैर आप दो से तीन दिन में कर पाएंगे। यही सभी जगहें कृष्ण से जुड़ी हुई हैं, तो आपको यहां कई कृष्ण मंदिर मिलेंगे। यमुना घाट पर स्नान करने के साथ ही शाम में संध्या आरती और दीपदान के लिए यहां आ सकते हैं।

वाराणसी

उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं तो एक बेहतरीन जगह को घूमने के लिए आपको दो दिन की छुट्टी की जरूरत है। भगवान शिव की प्रिय नगरी काशी, जिसे बनारस या वाराणसी भी कहते हैं, की इस महीने यात्रा करना बेहतर मौका हो सकता है। दीपावली के बाद देव दीपावली मनाई जाती है। देव दीपावली का उत्सव बनारस के गंगा घाट पर होता है, जिसकी रौनक और भव्यता को देखने के लिए आप वाराणसी की यात्रा कर सकते हैं। यहां सस्ता खाना और कम पैसों में होटल में कमरा आसानी से मिल जाता है। 500 रुपये से भी कम में बनारस में ठहरने की जगह मिल जाएगी। वाराणसी के लिए कई प्रमुख शहरों से ट्रेन सुविधा भी है। दिल्ली से वाराणसी के लिए ट्रेन का टिकट 350 रुपये में मिल जाएगा। बनारस में गंगा घाट, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, हनुमान मंदिर और सारनाथ घूमने जा सकते हैं।

रानीखेत

इस मौसम में हिल स्टेशन की सैर करना रोमांचक अनुभव के साथ ही प्राकृतिक नजारों का नैनसुख दिलाने वाला अनुभव हो सकता है। उत्तराखंड में कई ऐसे हिल स्टेशन हैं जो कम बजट में घूमने जा सकते हैं। किसी एक खास जगह की तलाश में हैं तो रानीखेत बेहद सुंदर जगह है। यहां कैंपिंग के साथ ही कई तरह की स्पोर्ट्स एक्टिविटी का भी लुत्फ उठाया जा सकता है। चौबटिया गार्डन, मजखली और झूलदेवी मंदिर की सैर कर सकते हैं।

जयपुर

राजस्थान के पारंपरिक और सांस्कृतिक दृश्यों का लुत्फ उठाना है तो नवंबर का महीना सफर पर निकलने के लिए एकदम उपयुक्त है। इस महीने जयपुर के किले और महल की ताप कम हो जाती है। सुहाने मौसम में जयपुर की यात्रा रोमांचक और आनंददायी हो सकती है। जयपुर में आमेर का किला, जयगढ़ किला और नाहरगढ़ किले को घूमने जा सकते हैं। दिल्ली से जयपुर के लिए लगभग 6 घंटे का सफर करके बस से पहुंचा जा सकता है, जिसका किराया 300 से 600 रुपये के अंदर ही होगा। रहने और खाने का खर्च भी 1500 रुपये में हो जाएगा। आटो या निजी टैक्सी बुक कर सकते हैं जो आपको आसपास के पर्यटन स्थलों और किले की सैर 800 से हजार रुपये प्रति दिन में करा देंगे।

हंसना मना है

संता अपनी बीमारी की वजह से डॉक्टर के पास गया, डॉक्टरः आपकी बीमारी की सही वजह मेरी समझ में नहीं आ रही, हो सकता है दारु पीने की वजह से ऐसा हो रहा हो, संताः कोई बात नहीं डॉक्टर साहब, जब आपकी उतर जाएगी तो मैं दोबारा आ जाऊंगा।

संता- यार मुन्नु, पत्नी को बेगम क्यों कहा जाता है? बंता- क्या है की शादी के बाद, सारे गम पति के हो जाते है। तो पत्नी बेगम हो जाती है।

एक बच्चे ने अपनी मां से कहा मां में इतना बड़ा कब हो जाऊंगा कि आपसे बिना पूछे कहीं भी जा सकूं? मां ने भी दिल छू लेने वाला जवाब दिया- बेटा.. इतना बड़ा तो तेरा बाप भी नहीं हुआ आजतक!!

बुढ़िया का दामाद बहुत काला था, सासः दामाद जी आप तो 1 महीना यहां रुको, दूध, दही खाओ मौज करो, आराम से रहो यहां, दामादः अरे वाह सासु मां आज तो बड़ा प्यार आ रहा है मुझ पे, सासः अरे प्यार व्यार कुछ नहीं कलमुहे, वो हमारी भैंस का बच्चा मर गया है, कम से कम तुम्हे देख कर दूध तो देती रहेगी।

संताः आज मेरी गर्लफ्रेंड का बर्थडे है, उसे क्या दूं? बंताः दिखने में कैसी है? संताः मस्त है। बंताः तो फिर मेरा मोबाइल नंबर दे दे!

कहानी — खरगोश और चूहा

एक जंगल में एक खरगोश अपने परिवार के साथ रहता था। जहां आसपास बड़े जानवरों की संख्या ज्यादा थी। खरगोश और उसका परिवार हमेशा इस बात से डरे हुए रहते थे कि कोई जानवर आकर उन्हें नुकसान न पहुंचा दे। उन्हें अपने घर के आस-पास जरा भी हलचल सुनाई देती थी, तो वो झट से अपने बिल में छुप जाया करते थे। दूसरे जानवरों के डर से कुछ खरगोशों की मौत हो गई। यह सब देखकर खरगोश बड़ा परेशान रहता था। एक दिन घोड़ों का दल उनके घर के पास से गुजरा। घोड़ों की आवाज सुनकर सभी सहम गए और हमेशा की तरह अपने बिल में छुप गए। अपने परिवार को इस हालत में देखकर खरगोश बेहद दुखी हुआ। उसने भगवान को कोसते हुए कहा कि हे भगवान आपने हमें इतना कमजोर क्यों बनाया है। इस तरह जीने का क्या फायदा। तभी सारे खरगोशों ने मिलकर फैसला किया कि अच्छा होगा कि सब मिलकर एक साथ अपना जीवन त्याग देते हैं। सभी खरगोश इकट्ठे होकर आत्महत्या करने के लिए नदी की ओर निकल गए। नियत समय पर खरगोश और उसका पूरा परिवार नदी के पास पहुंचे। नदी के पास कई सारे चूहों के बिल थे। जब चूहों ने खरगोशों को आते देखा तो वो सभी डर गए और इधर-उधर भागने लगे। कुछ चूहे बिल में घुस गए, तो कुछ नदी में गिरकर मर गए। चारों तरफ अफरातफरी का माहौल था। ये पूरा वाकया देखकर खरगोश दंग रह गए। उन्हें इस बात का यकीन नहीं हो रहा था कि उन्हें देखकर भी किसी में दहशत हो सकती है। अब तक तो वह खुद को ही सबसे कमजोर प्राणी समझते थे और भगवान को दोष देते थे। अब खरगोशों की समझ में आ गया था कि भगवान ने दुनिया में अलग-अलग खासियत के साथ जीव-जन्तु बनाए हैं। जो जैसा है, उसे वैसे ही स्वीकार करना चाहिए। अगर किसी में कमी है, तो उसमें कुछ गुण भी हैं। हर किसी में एक जैसे गुण नहीं हो सकते। ये समझने के बाद खरगोश और उसका परिवार घर वापस लौट गए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कुबुद्धि हावी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। विरोधी सक्रिय रहेंगे।

तुला

शत्रु पस्त होंगे। सुख के साधन जुटेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। लंब समय से रुके कार्य सहज रूप से पूर्ण होंगे। कार्य की प्रशंसा होगी।

वृषभ

वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। पुराना रोग परेशानी का कारण रह सकता है। दूसरों के कार्य में दखल न दें। बड़ों की सलाह मानें। लाभ होगा।

वृश्चिक

घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। अज्ञात भय रहेगा।

मिथुन

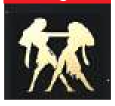

प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। बेवजह कहासुनी हो सकती है। कानूनी अड़चन दूर होगी।

धनु

आंखों का ख्याल रखें। अज्ञात भय सताएगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। कानूनी अड़चन आ सकती है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

कर्क

अपनी कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। किसी अपने के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। शारीरिक कष्ट संभव है। शत्रु पस्त होंगे। व्यापार में वृद्धि होगी।

मकर

स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी अपरिचित पर अतिविश्वास न करें। विवाद से क्लेश होगा। दूसरों के उकसाने में न आएं। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे।

सिंह

घर के सदस्यों के स्वास्थ्य व अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा।

कुम्भ

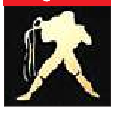

आज शारीरिक कष्ट संभव है। तनाव बना रहेगा। सुख के साधन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। प्रसन्नता रहेगी।

कन्या

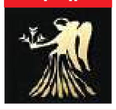

आज लाभ के अवसर हाथ से निकलेंगे। बेवजह कहासुनी हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यापार ठीक चलेगा।

मीन

आज आराम तथा मनोरंजन के साधन उपलब्ध होंगे। यश बढ़ेगा। व्यापार वृद्धि होगी। नई योजना बनेगी जिसका तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

राम चरण के साथ साउथ की फिल्म आरसी16 में तहलका मचाएंगे सलमान

सलमान खान अपनी फिल्म सिकंदर की वजह से इन दिनों खासी सुर्खियां बटोर रहे हैं। इस फिल्म में वह दमदार एक्शन करते नजर आने वाले हैं। इस बीच उनके साउथ की एक फिल्म में भी नजर आने की चर्चा जोरों पर है। आइए जानते हैं कि दक्षिण भारत की किस फिल्म में वह नजर आ सकते हैं।

ग्लोबल स्टार के नाम से मशहूर हो चुके अभिनेता राम चरण अपनी आगामी फिल्म आरसी 16 को लेकर इन दिनों व्यस्त चल रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन उप्पेना फेम बुची बाबू सना कर रहे हैं। यह फिल्म कई सितारों से सजी होगी, जिसमें जान्हवी कपूर भी अहम भूमिका में होंगी। ताजा मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म में एक और बड़े बॉलीवुड स्टार का कैमियो होने की संभावना है। एक रिपोर्ट के अनुसार बॉलीवुड के भाईजान यानी सलमान खान इस फिल्म में एक विशिष्ट भूमिका में नजर आ सकते हैं। निर्माता फिल्म में उनकी विशेष उपस्थिति को लेकर फिलहाल बातचीत कर रहे हैं। यह पहला मौका नहीं है जब सलमान खान किसी साउथ की फिल्म में नजर आने वाले हैं। इससे पहले वह राम चरण के पिता चिरंजीवी की फिल्म गॉडफादर में एक विशेष भूमिका निभा चुके हैं। वह बिना किसी फीस के फिल्म का हिस्सा बने थे। वहीं, फिल्म किसी का भाई किसी की जान में भी राम चरण ने सलमान खान के साथ येंतम्मा में कैमियो किया था। इस गाने में अभिनेता वेंकटेश भी थे। फिल्म आरसी 16 की बात करें तो यह एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म होगी, जिसमें राम चरण को रंगस्थलम के जैसे ही एक दमदार लुक में देखा जाएगा। फिल्म में एक और बॉलीवुड अभिनेता दिव्येंदु शर्मा भी होंगे, जिन्हें मिर्जापुर वेब सीरीज के लिए जाना जाता है।वर्क फ्रंट की बात करें तो सलमान खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म सिकंदर को लेकर बिजी हैं। इस फिल्म का निर्देशन एआर मुरुगदास कर रहे हैं। फिल्म में रश्मिका मंदाना भी हैं। यह फिल्म अगले साल ईद के मौके पर रिलीज होगी।

बॉलीवुड मन की बात

मैं अगर एक्टर नहीं होता तो अंडरवर्ल्ड में होता : नाना पाटेकर

नाना पाटेकर अपनी एक्टिंग के अलावा गुस्से के लिए भी काफी मशहूर हैं। हाल ही में एक इंसीडेंट सामने आया था, जब एक्टर ने एक फैन को सरेआम चांटा मार दिया था। हालांकि इसके बाद नाना ने कहा था कि वो गलत थे ऐसे थप्पड़ नहीं मारना चाहिए था। लेकिन नाना का इस तरह से गुस्सा जाहिर करना नई बात नहीं है। इस पर खुद नाना ने चुप्पी तोड़ी और बताया कि वो कितने वायलेंट हैं। एक्टर ने कहा कि उनका गुस्सा इस कदर हाई होता है कि अगर वो एक्टर ना होते तो अंडरवर्ल्ड में होते। नाना पाटेकर ने बताया कि उनका गुस्सा काफी खराब है, लेकिन अक्सर वो बेतुकी चीजों पर नहीं भड़कते हैं। वो गुस्सा तब करते हैं जब किसी अपना काम सही से करते नहीं देखते हैं। सिद्धार्थ कनन से बातचीत में उन्होंने इस पर खुलकर राय रखी। नाना पाटेकर बोले- गुस्सा आता है ना यार। अभी इसका मेरा रिश्ता है फिल्म का, अभी फिल्म के लिए तुझे प्यार नहीं, तो मैं आपको जानना भी नहीं चाहता। तुझे 100 परसेंट वहां होना चाहिए। तेरा 100 परसेंट वहां होगा तब फिल्म का अच्छा होगा ना। तू पूरा का पूरा उधर होना चाहिए। तुझे नाम चाहिए, शोहरत चाहिए हर कोई फोटो खींचे, ये सब फोकट में तो मिलेगा नहीं। वो एक्सीडेंट है तो एक्सीडेंट है एक फिल्म के लिए ही रहेगा, दूसरी बार कोई नहीं आएगा तेरे पास. नाना ने आगे कहा मैं तो किसी को भी सुना दूंगा, चाहे वो मंझा हुआ कोई कलाकार क्यों ना हो। अगर मैं गलत हूं तो उसको भी कहने का पूरा अधिकार है। जूनियर हो तो उम्र से जूनियर है। जूनियर आर्टिस्ट भी रोल के हिसाब से जूनियर है, लेकिन आर्टिस्ट है, उनकी भी उतनी ही इज्जत करो। हालात की वजह से वो जूनियर है। हम भी तो कभी उसी भीड़ का हिस्सा थे। एक इंसान जो 50 साल से इस इंडस्ट्री में है, उस इंसान में, हम में थोड़ा तो कुछ होगा ना, जो इतने साल बिताए हैं। 50 साल हमको इंडस्ट्री वाले बर्दाश्त करते रहे। नाना ने आगे बताया कि जब वो इंडस्ट्री में आए थे लोग डरते थे, मैं बहुत वायलेंट किस्म का हूं। मैं सुनता नहीं बहुत कम बोलता था। मैं तब तो बहुत वायलेंट था अब नहीं हूं। लेकिन आज भी कोई बात अगर बहुत हद पार चली जाए तो हाथ उठ जाता है। लेकिन मैं तब बहुत गुस्सैल था।

जल्द ही दुलकर सलमान के साथ रोमांटिक फिल्म करेंगी पूजा हेगड़े

पूजा हेगड़े साल 2025 में कई फिल्मों में नजर आने वाली हैं। वह रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है जवानी तो इश्क होना है में दिखेंगी। अब मिड-डे की रिपोर्ट के अनुसार, वह एक तेलुगू रोमांटिक ड्रामा फिल्म में नजर आने वाली हैं। फिलहाल फिल्म का नाम अभी तय नहीं हुआ है। सूत्रों के अनुसार निर्माताओं को एक नई जोड़ी की तलाश थी। दुलकर सलमान और पूजा ने दक्षिण सिनेमा में प्रमुख नाम होने के बावजूद कभी एक साथ स्क्रीन साझा नहीं की है। इसलिए, उन्हें साथ लाने से दर्शकों को कहानी में ताजगी का एहसास होगा। निर्माताओं ने दोनों को पर्दे पर साथ लाने का यह प्रोजेक्ट 2025 के अंत में शुरू होने की संभावना है। अपने 12 साल के करियर में सलमान ने कई रोमांटिक ड्रामा फिल्मों में शानदार अभिनय किया है, जिनमें ओ कधल कनमनी (2015) से लेकर सीता रामम (2022) जैसी फिल्मों तक शामिल हैं। चुप: रिवेंज ऑफ द आर्टिस्ट (2022), किंग ऑफ कोठा (2023) और लकी भास्कर जैसी थ्रिलर फिल्मों के बाद वह अब रोमांटिक कहानियों में वापसी को लेकर उत्साहित हैं। एक अन्य सूत्र ने कहा, दुलकर सलमान को अपनी फिल्मों के जरिए प्यार के अलग-अलग पहलुओं को एक्सप्लोर करना बहुत पसंद है। वह अपनी आगामी रोमांटिक ड्रामा फिल्मों को लेकर उत्साहित हैं, क्योंकि ये एक-दूसरे से बिलकुल अलग हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो पूजा इस साल की शुरुआत में शाहिद कपूर के साथ एक्शन थ्रिलर फिल्म देवा में नजर आएंगी।

गुजरात के इस गांव में लड़कों से शादी नहीं कर रहीं लड़कियां

हम 21वीं सदी में जी रहे हैं, जहां तकनीक और विकास के नए आयाम स्थापित हो रहे हैं। लेकिन भारत जैसे विकासशील देश में कई गांव आज भी बुनियादी सुविधाओं के अभाव से जूझ रहे हैं। इसका जीता-जागता उदाहरण गुजरात के वडोदरा जिले के नंदेसरी औद्योगिक क्षेत्र के पास स्थित अंगारा गांव है।

इस गांव में एक विचित्र समस्या ने जन्म लिया है। यहां की युवा महिलाएं गांव के लड़कों से शादी करने को तैयार नहीं हैं। कारण जानकर आप हैरान रह जाएंगे। इस गांव में पानी की गंभीर समस्या है। यहां के लोग पीने के लिए स्वच्छ पानी से वंचित हैं, और भूजल इतना प्रदूषित है कि बोरवेल से लाल रंग का पानी निकलता है। गांव के भूजल का प्रदूषण ऐसा है कि स्थानीय लोग पीने के पानी के लिए टैंकरों पर निर्भर हैं। साफ पानी के अभाव में न केवल जीवन मुश्किल हो गया है, बल्कि यहां की खेती भी प्रभावित हो रही है। लाल पानी की समस्या ने खेती और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बुरी तरह झकझोर दिया है। नंदेसरी औद्योगिक क्षेत्र में दशकों पहले कुछ गैर-जिम्मेदार कंपनियों ने अपने कचरे और प्रदूषित पानी को बिना उपचार के जमीन में बहा दिया। इसका असर इतना गहरा हुआ कि 10 किलोमीटर के दायरे में मौजूद गांवों के सभी जलस्रोत, बोरवेल, कुएं, और झीलें प्रदूषित हो गईं। आज इस क्षेत्र में जहां भी बोरवेल खोदा जाता है, वहां लाल रंग का पानी निकलता है। पानी की इस गंभीर समस्या ने यहां के युवाओं को मजबूर कर दिया है कि वे गांव छोड़कर अन्य जगहों पर बसने का प्रयास करें। गांव के लड़कों से शादी के लिए कोई लड़की तैयार नहीं है, और यह समस्या पूरे गांव के लिए सामाजिक और आर्थिक संकट बन गई है। गांव के लोग इस जलसंकट से बेहद परेशान हैं। वे चाहते हैं कि सरकार और संबंधित अधिकारी इस समस्या का जल्द से जल्द समाधान करें। साथ ही भूजल स्तर को सुधारने और पानी को स्वच्छ बनाने के प्रयास किए जाएं। केवल तभी गांव के लोग सामान्य जीवन जी सकेंगे और यहां के युवा अपना भविष्य संवार सकेंगे।

अजब-गजब ये है दुनिया का सबसे खतरनाक होटल!

इस होटल में पहुंचने के लिए शार्क जैसे खतरनाक जीवों का करना पड़ता है सामना

अधिकतर लोगों को होटल और रेस्टोरेंट में नाश्ता या खाना खाना पसंद होता है। कई बार लोग घर के खाने की बजाय होटल के स्वादिष्ट खाने का आनंद लेना चाहते हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि कोई होटल खतरनाक भी हो सकता है? ऐसा ही एक होटल है जिसे दुनिया का सबसे खतरनाक होटल कहा जाता है।

समुद्र के किनारे होटल में रुकना और रेस्टोरेंट में खाना खाना बहुतों के लिए एक सपना होता है। लेकिन अगर आप समुद्र तट पर रोमांचक अनुभव की तलाश में हैं, तो फ्राइंग पैन टॉवर आपके लिए सही जगह है। यह होटल उत्तरी कैरोलिना के तट से 34 मील दूर स्थित है और प्रकृति के बेहद करीब है। यहां आपको शार्क जैसे खतरनाक जीवों का सामना करना पड़ सकता है। फ्राइंग पैन टॉवर तक पहुंचने के लिए कोई सड़क या नाव की सुविधा नहीं है। यहां सिर्फ हेलीकॉप्टर के जरिए ही पहुंचा जा सकता है। यह होटल पहले तटरक्षक लाइट स्टेशन के रूप में कार्य करता था, लेकिन अब इसे एडवेंचर प्रेमियों के लिए एक खास होटल में बदल दिया गया है। यहां रहकर आप समुद्र का बेहद नजदीक से नजारा देख सकते हैं और कई रोमांचक गतिविधियों का आनंद ले सकते हैं। हेलीकॉप्टर हेलीपैड पर उतरने के बाद आप स्नॉर्कलिंग, मछली पकड़ने और पर्यावरण-अनुकूल गोल्फ जैसे रोमांचक खेलों का हिस्सा बन सकते हैं। हर गतिविधि आपको एक नया अनुभव देती है।

फ्राइंग पैन टॉवर सिर्फ एक होटल नहीं है, यह एक संरक्षण परियोजना का हिस्सा भी है। यहां रुकने वाले लोग न सिर्फ मौज-मस्ती करते हैं, बल्कि इस अद्भुत जगह के संरक्षण में अपना योगदान भी दे सकते हैं। यह जगह रोमांच प्रेमियों के लिए एक सपना है, लेकिन साथ ही यह खतरे को गले लगाने वालों के लिए भी है। 2010 में रिचर्ड नील ने इस टावर को कोस्ट गार्ड लाइट स्टेशन से होटल में बदल दिया। तब से यह जगह एडवेंचर प्रेमियों के बीच काफी मशहूर हो गई है। यहां एक वॉटरप्रूफ कैमरा सेटअप और हेलीपैड भी मौजूद है, जो लाइव फुटेज दिखाने का काम करता है।

कांग्रेस और राजद में तनातनी!

कांग्रेस नेता शहनवाज आलम के बयान ने भड़काया विवाद

» राजद की तीखी प्रतिक्रिया

» भाजपा ने ली चुटकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में महागठबंधन के भीतर कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल के बीच बढ़ती हुई तनातनी ने प्रदेश की राजनीति में नया विवाद खड़ा कर दिया है। कांग्रेस नेता शहनवाज आलम ने एक बड़ा बयान देते हुए कहा कि अगर अगले विधानसभा चुनाव में महागठबंधन की सरकार तेजस्वी यादव के नेतृत्व में बनती है तो उनकी पार्टी को दो डिप्टी मुख्यमंत्री चाहिए- एक मुस्लिम और दूसरा सामान्य वर्ग से। इसपर राजद की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ा है। गौरतलब है कि शहनवाज आलम अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव और बिहार के सह-प्रभारी भी हैं।

आलम का यह बयान पार्टी के पारंपरिक वोट बैंक को ध्यान में रखते हुए दिया गया लगता है, जिसमें मुस्लिम, ऊंची जातियां और दलित वर्ग शामिल हैं। हालांकि इस बयान ने महागठबंधन के सबसे बड़े सहयोगी आरजेडी को नाराज कर दिया है। पार्टी ने इसे 'गठबंधन धर्म का उल्लंघन' करार दिया है और कांग्रेस से ऐसे बयानों को रोकने की मांग की है। राजद के प्रवक्ता मृतिंजय तिवारी ने कहा कि कांग्रेस को अपने बयानों पर नियंत्रण रखना चाहिए। इससे यह साफ होता है कि आलम की टिप्पणी से पार्टी के अंदर असहमति की स्थिति पैदा हो गई है। राजद के लिए यह एक और चिंता का विषय बन गया है, क्योंकि कांग्रेस का मुस्लिम वोट बैंक पिछले कुछ वर्षों में खिसक चुका है। अब यह वोट बैंक राजद के पास चला गया है। आलम ने हाल ही में यह भी कहा था कि लोकसभा चुनावों में कांग्रेस के प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए विधानसभा चुनावों में सीट बंटवारे पर फैसला लिया जाना चाहिए। उधर राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव केबयान पर भी राजद भाजपा व जदयू के निशाने पर है। दरअसल, बिहार के पूर्व सीएम ने 2025 के विधानसभा चुनाव में 225 सीटें जीतने के सीएम नीतीश के दावे के सवाल पर कहा- वह पहले वो अपनी आंख सेंक लें, तब यह सब दावे करें। वह आंख सेंकने ही जा रहे हैं। भाजपा ने उनकी दिमागी हालत पर सवाल उठाया है तो जदयू ने उनकी सोच को निकृष्ट बताया है।

जदयू-भाजपा ने कांग्रेस को कोसा

आलम के बयान के बाद बिहार की सत्ताधारी जनता दल यूनाइटेड (जदयू) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भी कांग्रेस की आलोचना की है। जदयू के एमएलसी खालिद अनवर ने आलम के मुस्लिम समुदाय से जुड़े बयान को खारिज करते हुए कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में कई दंगे हुए थे, जिनमें मेरठ, भागलपुर और जबलपुर शामिल हैं। मुस्लिम समुदाय इसे कभी नहीं भूल सकता। वहीं, बीजेपी के विधायक हरिभूषण ठाकुर बचोल ने भी आलम के बयान को रोज़गार की राजनीति करार दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का यह कदम केवल राजनीतिक तुष्टिकरण का उदाहरण है। उनका कहना था कि बिहार में 2025 से 2029 तक मुख्यमंत्री और डिप्टी सीएम की कोई नई नियुक्ति नहीं होगी, क्योंकि नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री बने रहेंगे और उनकी पार्टी तय करेगी कि डिप्टी सीएम कौन होगा।

सदन में समान अवसर नहीं देने वालों को इतिहास माफ नहीं करेगा : सिब्बल

» धनखड़ पर पूर्व केंद्रीय मंत्री ने साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विपक्ष द्वारा उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को हटाने की मांग पर राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने कहा कि इतिहास उन लोगों को कभी माफ नहीं करेगा जो सदन के कामकाज में समान अवसर नहीं देते हैं। पहली बार कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी गुट ने धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए राज्यसभा में एक नोटिस पेश किया था। धनखड़ सदन में पक्षपात करने का आरोप लगाया गया है। एक्स पर पोस्ट करते हुए सिब्बल ने कहा, धनखड़ को हटाने के लिए राज्यसभा के 60 सदस्यों ने नोटिस पेश किया। लोकतंत्र की जननी के लिए यह बहुत ही दुखद दिन है।

उन्होंने आगे कहा, इतिहास उन लोगों को कभी माफ नहीं करेगा जो सदन के कामकाज में समान अवसर नहीं देते हैं। अगर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को हटाने वाला प्रस्ताव लाया जाता है तो इसे पारित कराने के लिए विपक्षी गुट को बहुमत की आवश्यकता होगी। 243 सदस्यीय सदन में उनके पास आवश्यक संख्या नहीं हैं। विपक्षी गुट ने कहा कि यह संसदीय लोकतंत्र के लिए लडने् का एक मजबूत संदेश था। विपक्षी दलों ने कहा कि राज्यसभा में सभापति की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है और धनखड़ से गैर पक्षपातपूर्ण तरीके से व्यवहार करने की अपेक्षा की जाती है। इसके बजाय उन्होंने उस पद की प्रतिष्ठा को ही कम कर दिया। विपक्ष की तरफ से कांग्रेस नेता जयराम रमेश और नसीर हुसैन ने राज्यसभा महासचिव सीपी मोदी को मंगलवार को 60 विपक्षी सांसदों द्वारा हस्ताक्षरित नोटिस सौंपा।

मंधाना बनीं एक साल में 4 शतक लगाने वाली पहली महिला क्रिकेटर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» स्मृति मंधाना ने कई दिग्गजों को पीछे छोड़ा

पर्थ। भारतीय महिला टीम को भले ही ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा, लेकिन स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने अपनी शतकीय पारी से एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली। मंधाना ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में खेले गए तीसरे वनडे मुकाबले में शतक जड़ा जो उनका इस साल वनडे में चौथा शतक है।

मंधाना इसके साथ ही एक कैलेंडर वर्ष में वनडे प्रारूप में चार सैकड़ा लगाने वाली पहली बल्लेबाज बन गई हैं। मंधाना ने बेलिंडा क्लार्क (1997), मेग लेनिंग (2016), एमी सैटरवेट (2016), सोफी डिवाइन (2018), सिदरा अमीन (2022), नताली सिवर ब्रंट (2023) और लौरा वॉलवॉर्ट (2024) को पीछे छोड़ा जिन्होंने एक कैलेंडर वर्ष में तीन शतक लगाए हैं। मंधाना ने इसके साथ ही महिलाओं में सबसे ज्यादा वनडे शतक लगाने वाली एशियाई क्रिकेटर के तौर पर श्रीलंका की चामरी अट्टापट्टू के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। मंधाना और चामरी ने एक समान वनडे में नौ-नौ शतक लगाए हैं। ब्रंट और इंग्लैंड की पूर्व कप्तान चारलोट एडवर्ड्स के नाम भी नौ-नौ शतक हैं। महिलाओं में वनडे में सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड मेग लैनिंग के नाम है जिन्होंने 15 शतक लगाए हैं। उनके बाद सूजी बेट्स (13) और टैमी ब्यूमोंट (10) का नंबर आता है। मंधाना ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर रन बनाने के लिए संघर्ष कर रही थीं और वह पहले दो मैचों में क्रमशः आठ और नौ रन बनाकर आउट हुई थीं। लेकिन तीसरे मैच में मंधाना का बल्ला जमकर बोला और उन्होंने 109 गेंदों पर 14 चौकों और एक छक्के की मदद से 105 रन की पारी खेली। मंधाना की पारी भी हालांकि भारत को जीत नहीं दिला सकी और टीम को 83 रन से हार का सामना करना पड़ा।

मुंबई सैयद मुश्ताक अली टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में

बंगलूरु। अजिंक्य रहाणे की 45 गेंदों पर 10 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 84 रन की पारी के दम पर मुंबई ने विदर्भ को छह विकेट से हराकर सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। विदर्भ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अर्थव तायडे और अपूर्व वानखेड़े के अर्धशतकों से 20 ओवर में छह विकेट पर 221 रन बनाए। जवाब में मुंबई ने 19.2 ओवर में चार विकेट पर 224 रन बनाकर जीत दर्ज की। लक्ष्य का पीछा करते हुए पृथ्वी शॉ और रहाणे ने पहले विकेट के लिए 83 रन जोड़कर मुंबई को मजबूत शुरुआत दिलाई। पृथ्वी 26 गेंदों पर पांच चौकों और चार छक्कों की मदद से 49 रन बनाकर आउट हुए और अर्धशतक लगाने से चूक गए।

अडानी से मिलना पाप नहीं है : अन्नामलाई

» डीएमके और कांग्रेस पर बरसे प्रदेश अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष अन्नामलाई ने उद्योगपति गौतम अडानी से मुलाकात का बचाव करते हुए इसे कोई पाप नहीं बताया और कांग्रेस और द्रमुक पर पार्टी के साथ अडानी के संबंधों पर विरोध प्रदर्शन कर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। अन्नामलाई ने कहा कि वह हमारे देश में एक बिजनेसमैन हैं। हर एक राज्य सरकार अपने वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन में बड़े उद्योगपतियों को आमंत्रित करने के लिए लाल कालीन बिछाना चाहती है।

यह कांग्रेस और डीएमके सांसद हैं जिन्होंने संसद के बाहर यह फर्जी विरोध प्रदर्शन शुरू किया कि अडानी-बीजेपी एक है। भाजपा नेता ने आगे कहा कि चूंकि एमके स्टालिन ने कहा कि वह अडानी से नहीं मिले हैं, हम उनके खिलाफ आरोप लगा रहे हैं।

कपूर परिवार से मिलने पर मोदी को कांग्रेस ने घेरा

» हम तो बोले थे मणिपुर, वो समझ बैठे करीना कपूर : पवन खेड़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बॉलीवुड के मशहूर कपूर परिवार ने राज कपूर फिल्म फेस्टिवल में आमंत्रित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की, 13 दिसंबर से शुरू होने वाला यह उत्सव राज कपूर की शताब्दी की जयंती मनाता है, जो उनकी विरासत के 100 साल पूरे होने का प्रतीक है। बैठक पर तंज कसते हुए कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा, हम तो बोले थे मणिपुर, वो समझ बैठे करीना कपूर।

उन्होंने पीएम मोदी से मुलाकात की कई तस्वीरें साझा कीं। एक तस्वीर में पीएम करीना के बेटों तैमूर और जेह के लिए ऑटोग्राफ देते नजर आ रहे हैं। कांग्रेस द्वारा की गई आलोचना प्रधानमंत्री पर किए गए कटाक्षों की श्रृंखला में नवीनतम है, जिसमें उन पर जानबूझकर मणिपुर की यात्रा से बचने का आरोप लगाया गया है, पिछले साल मई से मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा में 200 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है।

सोनाक्षी श्रीवास्तव को मिला एएसएलई सम्मान

» हिंदी में करेंगी प्रतिष्ठित पुस्तक का अनुवाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अशोका विश्वविद्यालय की वरिष्ठ लेखन शिक्षिका और साहित्यकार सोनाक्षी श्रीवास्तव को 2024 के लिए साहित्य और पर्यावरण अध्ययन एसोसिएशन (एएसएलई) द्वारा प्रतिष्ठित अनुवाद अनुदान से सम्मानित किया गया है। यह अनुदान उन्हें सुमना रॉय की प्रसिद्ध पुस्तक हाउ आई बिकेम ए ट्री का हिंदी में अनुवाद करने के लिए प्रदान किया गया है।

इस वर्ष कुल 40 आवेदकों में से केवल दो को यह अनुदान प्राप्त हुआ, जिसमें सोनाक्षी श्रीवास्तव एकमात्र भारतीय हैं। यह उपलब्धि न केवल साहित्यिक अनुवाद के क्षेत्र में उनके योगदान को मान्यता देती है, बल्कि हिंदी साहित्य के दायरे को भी विस्तार देती है। सोनाक्षी ने अपनी स्कूली शिक्षा लखनऊ एवं बीए (ऑनर्स) अंग्रेज़ी की पढ़ाई दिल्ली से पूरी की है।

दिल्ली के सरकारी बंगले को लेकर आमने-सामने आए शरद और अजित

भाजपा सरकार ने किया सुनेत्रा पवार को बड़ा सरकारी बंगला आवंटित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा नेतृत्व ने शरद पवार के मुकाबले अजित पवार को फिर से आगे बढ़ाते हुए उनकी पत्नी और राज्यसभा सांसद सुनेत्रा पवार को एक बड़ा सरकारी बंगला आवंटित कर दिया है। खास बात यह है कि यह सरकारी बंगला शरद पवार के घर के ठीक सामने है। इसको लेकर अजित पवार व शरद पवार आमने-सामने आ गए हैं।

हम आपको बता दें कि सुनेत्रा पवार को सरकारी आवास की दूसरी सबसे बड़ी श्रेणी, टाइप- 7 बंगला, 11 जनपथ पर आवंटित किया गया है, जो शरद पवार के आधिकारिक आवास के एकदम सामने है। सीनियर पवार 6 जनपथ पर टाइप-8 बंगले में रहते हैं और उनकी बेटी सुप्रिया सुले, जो चार बार से लोकसभा सांसद हैं, वह उनके साथ रहती हैं। सुनेत्रा पवार को लुटियंस दिल्ली में टाइप-7 बंगले का आवंटन इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वह पहली बार सांसद बनी हैं और नियमों के अनुसार वह दूसरी सबसे बड़ी श्रेणी के आवास की हकदार नहीं हैं।

84 साल के हुए शरद पवार, पीएम मोदी व खरगे ने दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रमुख शरद पवार को उनके 84वें जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं और उनके लंबे और स्वस्थ जीवन के लिए प्रार्थना की। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया कि राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ नेता शरद पवार जी को जन्मदिन की शुभकामनाएं। मैं उनके लंबे और स्वस्थ जीवन के लिए प्रार्थना करता हूं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने भी एक्स पर एनसीपी प्रमुख शरद पवार को शुभकामनाएं दीं। खरगे ने पोस्ट किया कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष, पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार को जन्मदिन की शुभकामनाएं। आपके अच्छे स्वास्थ्य और लंबी उम्र की कामना करता हूं।

अजित पवार समेत परिजन पहुंचे घर

इस बीच, एनसीपी-एससीपी प्रमुख शरद पवार को जन्मदिन की बधाई देने वाले पोस्टर दिल्ली में उनके आवास के बाहर लगाए गए। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम और एनसीपी प्रमुख अजित पवार अपनी पत्नी और प्रफुल्ल पटेल, छगन भुजबल सहित पार्टी नेताओं के साथ आज एनसीपी-एससीपी प्रमुख शरद पवार को जन्मदिन की शुभकामनाएं देने उनके आवास पर पहुंचे।

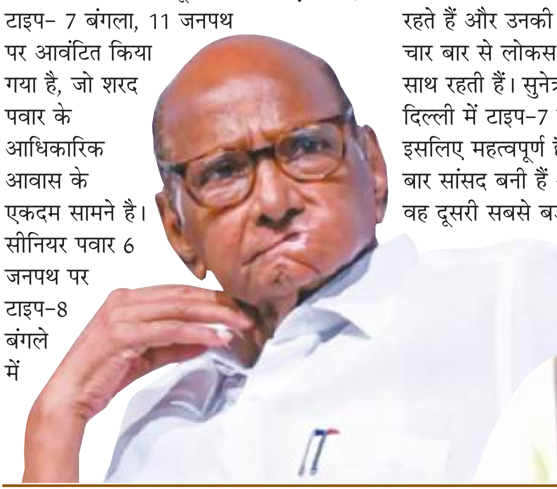

अजित को बड़े मराठा नेता के रूप में मान्यता देने की कोशिश

इस आवास के आवंटन को राजनीतिक हलकों में हाल के महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में बड़े मराठा नेता के रूप में उनके पति अजित के उदय और सीनियर पवार पर उनकी बढ़त को मान्यता देने के संकेत के रूप में भी देखा जा रहा है। हम आपको याद दिला दें कि अजित की राकांपा, जो भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति में सहयोगी दल के रूप में लड़ी थी, उसने 49 सीटें हासिल कीं और मराठवाड़ा क्षेत्र और उनके गृह क्षेत्र में भी अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। हम आपको याद दिला दें कि सुनेत्रा को 18 जून को राज्यसभा के लिए निर्विरोध चुना गया था। सुनेत्रा बारामती लोकसभा सीट पर अपनी ननद सुप्रिया सुले से चुनाव हार गई थीं। बाद में अजित ने कहा था कि सुले के खिलाफ अपनी पत्नी को उतारना उनकी गलती थी।

विदेशी फंडिंग मामले में एनआईए ने मुफ्ती के घर मारा छापा

» भीड़ ने हंगामा कर खालिद को छुड़ाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

झांसी। यूपी के झांसी जिले में विदेशी फंडिंग मामले में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की टीम ने छापामारी की है। एनआईए टीम पूछताछ कर रही है। एनआईए की कार्रवाई से लोगों में हड़कंप मचा है। जानकारी के अनुसार, कोतवाली इलाके के मुकरयाना मोहल्ले में मुफ्ती खालिद के यहां एनआईए टीम ने देर रात छापा मारा।

विदेशी फंडिंग मामले की जांच के दौरान टीम ने यहां पहुंच कर लोगों से पूछताछ की। मुफ्ती खालिद समेत कुछ और लोगों से एनआईए टीम पूछताछ कर रही है। एनआईए टीम के पहुंचने से मोहल्ले में खलबली मच गई, हालांकि स्थानीय पुलिस को इस कार्रवाई से अलग रखा गया है।

एसपी सिटी ज्ञानेंद्र सिंह का कहना है एनआईए टीम के यहां आई लेकिन टीम ने अपनी कार्रवाई के बारे में कोई सूचना नहीं दी है। पूछताछ और छानबीन कर रही है। उसकी ओर से अभी किसी की गिरफ्तारी नहीं की गई है। अलीगोल इलाके की सुपर कॉलोनी में ऑनलाइन दीनी तालीम देने वाले मुफ्ती खालिद के घर एनआईए टीम ने रात करीब ढाई बजे छापेमारी की।

आयकर रिटर्न में आनाकानी करने वालों पर आयकर विभाग ने शिकंजा कसा है, करीब तीन दर्जन टीमें लखनऊ, हरदोई, मुरादाबाद सहित अन्य जिलों में केमिकल व मार्बल व्यापारियों के घर व गोदामों का सर्वे कर रही हैं।ऐशबाग के केमिकल व्यापारी के हरदोई जिले के संडीला में दो फैक्ट्रियां इंडियन पेस्टीसाइड लिमिटेड व स्वरूप केमिकल का संचालन कर रहे हैं, ये फैक्ट्रियां 2021 में लगी और बड़ा टर्नओवर कर रही हैं लेकिन, उसके सापेक्ष आयकर नहीं दिया जा रहा। विभाग कई माह से इनकी निगरानी कर रहा था। आयकर विभाग के सूत्रों ने बताया कि स्वरूप के ऐशबाग आवास, इंदिरा नगर में रह रहे फैक्ट्री के निदेशक व संडीला आदि स्थानों पर आयकर विभाग की कई टीमें सर्वे कर रही हैं। ऐसे ही एचएएल के सामने इंदिरा नगर में ही एके जैन व डीके जैन मार्बल्स के यहां भी आयकर विभाग की टीमें सर्वे कर रही हैं। इन पर भी आयकर रिटर्न दाखिल करने में गड़बड़ी करने का आरोप है।

सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क को एसडीएम का नोटिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

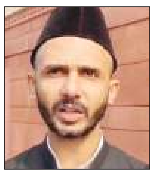

संभल। सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क को एसडीएम ने बिना नक्शा पास कराए मकान का निर्माण कराने पर नोटिस जारी किया है। साथ ही जवाब भी बृहस्पतिवार की सुबह 10 बजे तक देने के लिए कहा है। यदि निर्माण कार्य नहीं रोका गया तो विनियमित क्षेत्र के नियमों के अनुसार कार्रवाई तय है। जुर्माना भी लगाया जा सकता है।

नोटिस में नियम प्राधिकारी/उपजिलाधिकारी विनियमित क्षेत्र संभल की ओर से कहा गया है कि दीपासराय में जो निर्माण कार्य चल रहा है, उसके लिए कोई स्वीकृति नहीं ली गई है। जबकि यह उत्तर प्रदेश रेगुलेशन ऑफ बिल्डिंग ऑपरेशन एक्ट 1958 का उल्लंघन है।

सड़क हादसे के गंदे रिकॉर्ड के कारण विश्व सम्मेलनों में मुंह छिपाता हूं: नितिन गडकरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को लोकसभा में सड़क हादसों को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को लेकर भारत का रिकॉर्ड इतना गंदा है कि उन्हें विश्व सम्मेलनों में मुंह छिपाना पड़ता है। उन्होंने सदन में प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि उनके मंत्रालय के तमाम प्रयासों के बावजूद सड़क हादसों में कमी नहीं आई, बल्कि इसमें वृद्धि हो गई।

गडकरी ने कहा कि जब तक समाज मदद नहीं करेगा, मानवीय व्यवहार नहीं बदलेगा और कानून का डर नहीं होगा, तब तक सड़क हादसों पर अंकुश नहीं लगेगा। देश में सड़क हादसों की संख्या लगातार बढ़ रही है। हर साल 1.7 लाख से अधिक लोगों की मौत ऐसी दुर्घटनाओं में हो जाती है। इतने लोग न लड़ाई में मरते हैं, न कोविड में मरते हैं और न ही दंगे में मरते हैं। उन्होंने कहा कि मैं विश्व सम्मेलनों में जाता हूं तो मुंह छिपाता हूं। दुर्घटनाओं का सबसे गंदा रिकॉर्ड हमारा है।

उन्होंने सांसदों से कहा कि वे सड़क हादसों को रोकने के लिए अपने स्तर पर प्रयास करें। नीति आयोग की रिपोर्ट है कि सड़क हादसों के शिकार 30 प्रतिशत लोगों की मौत जीवन रक्षक उपचार नहीं मिल पाने के कारण होती है।

फोटो: 4 पीएम

पत्रकार वार्ता उत्तर प्रदेश कांग्रेस कार्यालय पर पत्रकार वार्ता को संबोधित करते प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय व कांग्रेस विधान मंडल दल की नेता आराधना मिश्रा।

समाज के सभी वर्गों को अधिकार देने की जरूरत : सोरेन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि समाज के सभी वर्गों, विशेषकर वंचितों और शोषितों को अधिकार दिए जाने की जरूरत है।

सोरेन ने यहां झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) केंद्रीय समिति की विस्तारित बैठक को संबोधित किया। बाद में 'एक्स' पर एक पोस्ट में सोरेन ने कहा, आज रांची में झारखण्ड मुक्ति मोर्चा केंद्रीय समिति की विस्तारित बैठक में शामिल हुआ। संघर्ष से उपजी पार्टी है झारखण्ड मुक्ति मोर्चा। यही कारण है कि हमने हमेशा हक-अधिकार के लिए लड़ाई लड़ी है। लड़कर जीत हासिल की है, कभी हार नहीं मानी है।

गुजारा भत्ते का मकसद पति को दंडित करना नहीं : सुप्रीम कोर्ट

» शीर्ष अदालत ने कहा- पति की आर्थिक स्थिति का भी ध्यान रखना चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर यह दोहराया है कि वैवाहिक विवाद में पत्नी को दिया जाने वाला गुजारा भत्ता पति के लिए सजा जैसा नहीं होना चाहिए। अदालत को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि पत्नी उचित तरीके से जीवन जी सके, लेकिन पति की आर्थिक स्थिति समेत तमाम दूसरी बातों का ध्यान रखना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस विक्रम नाथ और प्रसन्ना बी वराले की बेंच ने एक फैसले में देश की सभी अदालतों को सलाह दी है कि वह 2020 में आए रजनेश बनाम नेहा फैसले के मुताबिक काम करें। उस फैसले में सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस इंदु मल्होत्रा और सुभाष रेड्डी की बेंच ने गुजारा भत्ता के मामले में 8 दिशानिर्देश दिए थे। सुप्रीम कोर्ट ने अपने नए फैसले में उन दिशानिर्देशों को फिर से दर्ज किया है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय** :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।